भ्रामक समाचार, हल्ला आ अफवाहसभसँ जेना जनजिवन अस्त व्यस्त बनेने छलै, अखन कोरोना भाईरसके महामारीके अवस्था सेहो तेहने छैक । हमसभ् मिलक एकर निराकरणमे महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह क सकैत छी । एहिके लेल अपनासभके विश्वसनिय आ श्रोत खुलल सहि सूचना निर्णायक तहतक प्रवाह क सकैत छी ।

Coronavirus CivActs Campaign (CCC) सँ सरकार, सञ्चार माध्यम, संघसंस्था आ आम नागरिक बिचक सूचनाके दुरी कम कएक देशभैरसं संकलन कएलगेल हल्ला, नागरिकक जिज्ञासा आ प्रश्नसभ संकलन कए तथ्य पत्ता लगाएक आम नागरिकके सूचित करैत अछि । एहिसं आम नागरिकक आवश्यकताके पहिचान करवाक साथे हल्लासभहक कोनो नकारात्मक असर पहुचावस पहिलेहि सान्दर्भिक तथ्य आम नागरिक सभमे प्रवाह कए जोखिम न्युनिकरण करैत अछि ।

यु.ए.ई. ले फिलिपिन्स र नेपाललाई कोरोना भाईरस राहत अनुदान पठायो

तस्बिर: अरब न्युज

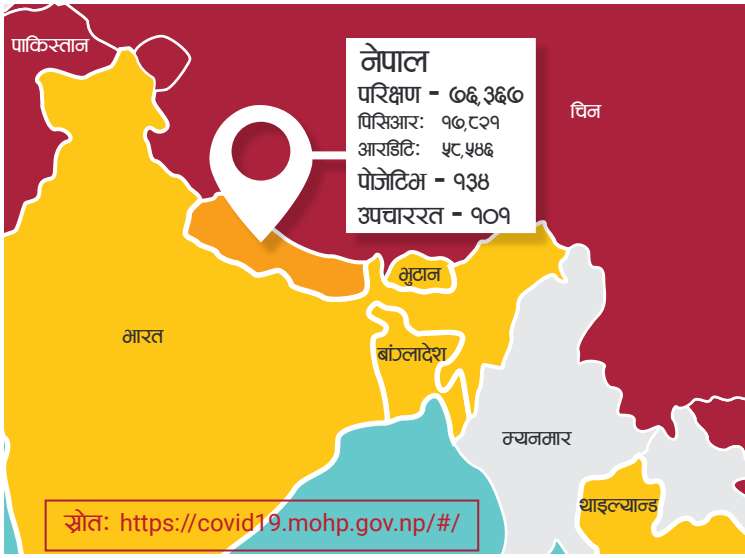

स्रोत: https://covid19.mohp.gov.np/#/

सरकारद्वारा कोभिड - १९ प्रतिकार्यके लेल छुट्याओल गेल अनुमानित बजेट:

जन स्वास्थ्य तथा सामाजिक मापन (क्वारेन्टाईन व्यवस्थापन, समुदाय परिचालन, संक्रमित आ ओकरसभके सम्पर्कमे आयलसभके पहिचान, निगरानी, प्रवेश विन्दु आ समुदाय स्तरमे परिक्षण, ईमर्जेन्सी रेस्पोन्स टिम परिचालन) :	रु. ३,४७,३५,६२,०००
सरकारद्वारा अस्पतालमे होवएवला कोरोनाके ईलाजके लेल छुट्याओल गेल अनुमानित बजेट :	रु. २,९६,७९,९०,२००
प्रति बिमार प्रति दिन जम्मा ईलाज खर्च :	रु. २५,४३९
व्यवस्थापन, अनुगमन आ अनुसन्धान :	रु. ४४,९३,८७,६८०
जम्मा :	रु. ६,८९,०९,३९,८८०

उपचारके लेल छुट्याओल गेल बजेट आ प्रति बिमार प्रति दिन जम्मा ईलाज खर्चके तुलना करबै तँ, उ रकम बहुते कम छै । एहि हिसाबसँ, यदि कोनो बिमारके २० दिन अस्पतालमे राईखक ईलाज करैबै त एकर बजेट करिव ६ हजार बिमारके ईलाज करला मात्रे पुगत ।

स्रोत: https://drive.google.com/file/d/1Jrg02HTqN-q8KkUESCne35GreQOL199h/view

हल्ला र तथ्य

काठमाण्डौ उपत्यकामे सवारी साधन चलावैला टाईमकार्ड लागु करलक कहैत अछि । कि लकडाउन खुला भेलेय ?

अत्यावश्यकिय सेवा प्रदान करवला कार्यालय, बैंक तथा वित्तिय संस्था, उद्योग, जलविद्युत लगाएतके बडका आयोजना आ आओर सरकारद्वारा एहिसँ पहिले सेवा सुचारु कर पाओत कहि निर्णय कएने कार्यालयमे जायवला कर्मचारीके हकमे थप कडाई करैत तोकलगेल समयमे मात्रे कार्यालयसँ घर आवाजाही कर टाईमकार्डके व्यवस्था कएने अछि । सर्वसाधारणके लेल लकडाउन यथावत अछि ।

स्रोत: http://www.moha.gov.np/

कोरोना महामारीके समयमे मानव अधिकारके मुद्दा आरो ओझलमे त नै परत ? एकर अनुगमन करवला कोनो विशेष संयन्त्र छै कि ?

कोभिड-१९ सँ उत्पन्न वर्तमान जटिल परिस्थितिमे मानव अधिकारके अवस्था अनुगमन कर राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग, नेपाल बार एसोशियसन, नेपाल पत्रकार महासंघ आ गैरसरकारी संस्था महासंघ नेपाल समेत ४ टा संस्थासभके प्रतिनिधि सम्मिलित उच्चस्तरीय मानव अधिकार अवस्था अनुगमन तथा समन्वय समिति, केन्द्रस्तरीय, प्रदेशस्तरीय आ जिलास्तरीय मानव अधिकार अवस्था अनुगमन समिति गठन कल काज करहल अछि । विस्तृत जानकारीके लेल हटलाईन ±९७७ १ ५०१०००० छुटटीके दिन समेत २४ सौं घण्टा खुला अछि ।

स्रोत: https://www.nhrcnepal.org

संक्रमितके कन्ट्याक्ट ट्रेसिङ विश्वसनिय नहिभेलासँ संक्रमितके संख्या बढिरहल छै कहैछ अछि ।वास्तवमे कन्ट्याक्ट ट्रेसिङ करवला प्रकृया कि छै।

कोभिड - १९ केससँगे १५ मिनेटसँ बेसी ६ फिटके दायरा भितर आमने सामने भेलहा, शारिरीक सम्पर्क कएने, संक्रमितसँगे पिपिइ बिना प्रत्यक्ष सम्पर्कमे आयल, कोभिड - १९ केससँगे १५ मिनेटसँ बेसी बन्द वातावरणमे सम्पर्कमे आयल, विमानको सन्दर्भमे कोभिड - १९ केसके २ सिटके आसपास बैसल (लेकिन, केसके अधिकतम चहलपहल कएने, सार्वजनिक शौचालय प्रयोग कएने अवस्थामे सम्पूर्ण यात्रुके उच्च जोखिममे राखनाई), केसके देखभाल करएवला आदमी सेहो पिपिइके उल्लंघन करलापर उच्च जोखिममे राईख परिक्षणके दायरामे लाओल जाईत अछि ।

स्रोत: https://nepalpolice.gov.np

सिमानाकामे खटिक चेकजाँच करएवला कर्मचारीमे संक्रमण होवएके जोखिम बेसी होईत छै कहैत अछि ।

समानाकामे खटिक चेकजाँच करएवला कर्मचारीके सेवाग्राहीसँगे पुछताछ करैतकाल कम्तिमे सेहो दू मिटरके दुरी कायम करब आ आवश्यक कागजात स्क्यान कपी अपलोड करए लगा या ईलेक्ट्रोनिक माध्यमसँ मंगाएक देखके व्यवस्था कएलगेल अछि । कागजात देखहे परवला अवस्थामे पञ्जा लगाक सुरक्षित तरिकासँ देखैला कहलगेल अछि ।

Source: https://drive.google.com/file/d/1Prz1sPcQv04O9ToqlWkTsf7txsnROhNo/view

सूचनाका स्रोतहरु

नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय कोरोना भाईरस रोग (COVID – 19) सम्बन्धी स्वास्थ्य क्षेत्रको प्रतिकाय

जोन्स् होपकिन्स् कोरोना भाइरस स्रोत केन्द्र

स्वास्थ्य र जनसंख्या मन्त्रालय

कोरोना कोष सञ्चालन निर्देशिका, २०७६

कोभिड(१९ को अवस्थाअ

कृषि तथा पशुपंछी विकास मन्त्रालय

नेपाल श्रम शक्ति सर्वेक्षण

सुरक्षित हुन के गर्ने

प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय

accountabilitylab NEPAL

मुख्य गन्तव्य राष्ट्रमे रहल नेपाली कामदार

साउदी अरव	कुवेत	बहराईन	कतार	युएई	ओमान	मलेसिया	दक्षिण कोरिया
३,५२,६६७ नेपाली	८२,६३० नेपाली	२८,२७६ नेपाली	४,३७,००९ नेपाली	२३,११,०८८ नेपाली	८,२५० नेपाली	४,६९,१३१ नेपाली	५३,६९१ नेपाली
३५,०४८ संक्रमित	८,६८८ संक्रमित	४,८५६ संक्रमित	२२,५२० संक्रमित	१८,१९८ संक्रमित	३,४०० संक्रमित	६,६५६ संक्रमित	१०,२०९ संक्रमित
४२ नेपाली संक्रमित	८४ नेपाली संक्रमित	४९ नेपाली संक्रमित	२ नेपाली संक्रमित	७१ नेपाली संक्रमित		३ नेपाली संक्रमित	

स्रोत: https://who.sprinklr.com/

ShramikSanjal

विदेशमे रहल कामदारसभके लेल महत्वपूर्ण जानकारी

कुवेत: १० मई २०२०, रविदिन साँझके ४ बजेसँ ३० मई २०२०, शनिदिन तक कुवेतमे पूर्ण कर्फ्यु लागू होबएवला अछि । कर्फ्युके अवधिमे कोअपरेटिभ सोसाइटी (Cooperative Society), खाद्यान्न आपूर्ति करब लगाएत ग्याँस सिलिण्डर वितरकसभ मुदा खुला रहत । कर्फ्यु अवधिभैर साँझके ४:३० बजेसँ ६:३० बजेतकके समयमे अपन रहवला क्षेत्र भितर मात्रे कार या आरो सवारीसाधनके प्रयोग नहि क मास्क लगाक सामाजिक दूरी कायम राखैत चलफिर कए सकैत छी ।

यु.ए.ई.: दुबईमे २४ घण्टे लकडाउनके नियम ढिला कएलाके बादो किछ नियमके आरो कडा बनौलक अछि । साँझके १० बजेसँ दोसर दिन भोरके ६ बजेतक अनुमति विना यात्रा कएलापर ३००० दिरहा जरिवाना तिरए परत । यदि अनुमति लेवहे परत त ओहि अवस्थामे अत्यावश्यक दवाई, ईलाजके लेल मात्रे पास उपलब्ध कराओल जायत । पास अनलाईनसँ लल सकैत छी ।

परदेशमे पीडामे परल कामदारसभके "घर जाय पावी" अभियान दोसर चरणमे प्रवेश कएने अछि । "घर जाय पावी" अभियानके ज्ञापन पत्र "परराष्ट्र मन्त्री, श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मन्त्री, नोबेल कोरोना रोग रोकथाम तथा नियन्त्रण उच्च स्तरीय समन्वय समितिमे पेश कएलगेल अछि । साथे, वैदेशिक रोजगार आ श्रमके क्षेत्रमे कलम चलावए(वला पत्रकारसभके सेहो zoom meeting के माध्यमसँ एहि विषयमे जानकारी कराओल गेल अछि ।

accountabilitylab NEPAL

$ फलो द मनी

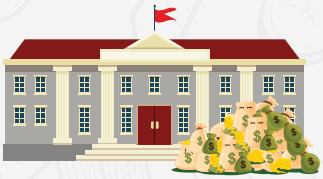

जम्मा | खर्च

तीन बेर कएक नेपाल सरकार
अर्थ मन्त्रालय मार्फत छुट्याओल गेल
करिब १ अर्व ४८ करोड
कोरोना भाईरस जोखिम नियन्त्रण,
रोकथाम तथा नियन्त्रण कोषमे जम्मा
करिब २ अर्व २० करोड

संघिय सरकार

कोरोना भाईरस विरुद्धके गतिविधिमे
नेपाल सरकारद्वारा कएलगेल खर्च
करिब १ अर्व ८ करोड
रक्षा मन्त्रालय माफर्त कोरोना रोकथाम
आ नियन्त्रणके लेल आवश्यक
स्वास्थ्य उपकरण किनबाक लेल
२ अर्ब ३४ करोड निकासा

दाता

ए.डि.बि.
करिब **७ अर्व २० करोड**
विश्व बैंक
करिब **३ अर्व ४८ करोड**
आई.एम.एफ.
करिब **१३ अर्व ९ करोड**
युरोपियन युनियन
करिब **९ अर्व ८० करोड**

प्रदेश	जम्मा रकम	खर्च गरिएको रकम	बाँकी रकम
प्रदेश १	करिब २८ करोड ९६ लाख	करिब १५ करोड ९ लाख	करिब १३ करोड ८७ लाख
प्रदेश २	६१ करोड	१७ करोड ७० लाख	४३ करोड ३० लाख
बागमती प्रदेश	४० करोड	१२ करोड ३२ लाख	१७ करोड ७५ लाख
गण्डकी प्रदेश	करिब १५ करोड	९ करोड २० लाख	५ करोड ८० लाख
प्रदेश ५	२३ करोड ६० लाख	१३ करोड ६० लाख	१० करोड
कर्णाली प्रदेश	५० करोड	१३ करोड २० लाख	३६ करोड ८० लाख
सुदुरपश्चिम प्रदेश	करिब ४० करोड २७ लाख	२० करोड १९ लाख	२० करोड ८ लाख

नोट: ई विवरण पूर्ण नहि अछि। उपलब्ध माध्यमसँ संकलित कए राखल गेल अछि ।
आओर सही तथ्यांक संकलन कए परिमार्जन करैत जाएब ।

accountabilitylab NEPAL

कोभिड - १९ रेस्पोन्सके प्रभावकारी बनाब सरकारके ७ सुझाव

१. राहत वितरणमे भेल आय व्ययके विवरण सबके सहजरुपसँ बुझ्वला भाषामे सार्वजनिक करब ।

२. सरकारद्वारा बाँटयवला राहतमे गुणस्तरके सुनिश्चित करब । गुणस्तरहिन राहत सामग्री बाँटयवला जे कोई होई कडा कारवाही करब ।

३. अनुगमनके पक्षके चुस्त बनाएव । अनुगमन आ कार्यान्वयन करला एकेठा समिति नहि होबके चाहि । अनुगमनके लेल अलगे स्वतन्त्र संस्थाके जिम्मेवारी देबके चाहि । राष्ट्रिय सतर्कता केन्द्रके अनुगमनके लेल सकृय भूमिका देल जासकैत अछि ।

४. रिक्त रहल कुटनीतिक नियोगमे तुरुन्त पदपुर्ति करब ।

५. बहुतो देशमे फसल नेपाली नागरिकके तत्काल नेपाल लाबके व्यवस्था करके चाहि ।

६. अख्तियारके सकृयता बढायब । कत कते पैसा कत गेल, कथिमे खर्च भेल, खर्च करलक कि नहि से पुछब । अनियमितता भेल कहिक ककरो उजुरी नहि पर परतै, समाचारके आधार बनाक सेहो कार्वाही अगाडी बढाओल जासकैत छी ।

७. नागरिकके सरकारके उपस्थितिके अनुभुति कराब हरेक नागरिकके जरुरतके प्राथमिकिकरण कल मांग पुरा कर स्पष्ट मापदण्ड तयार कय कार्यान्वयन करब ।

सुर्यनाथ उपाध्याय
पूर्व प्रमुख आयुक्त,
अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग

सही सूचना

लकडाउनके समयमे मानसिक स्वास्थ्यके महत्व

लकडाउनके समयमे विभिन्न प्रदेशसभमे भेल आत्महत्याके घटनासभ

चैत्र ११, २०७६ - बैशाख २०, २०७७

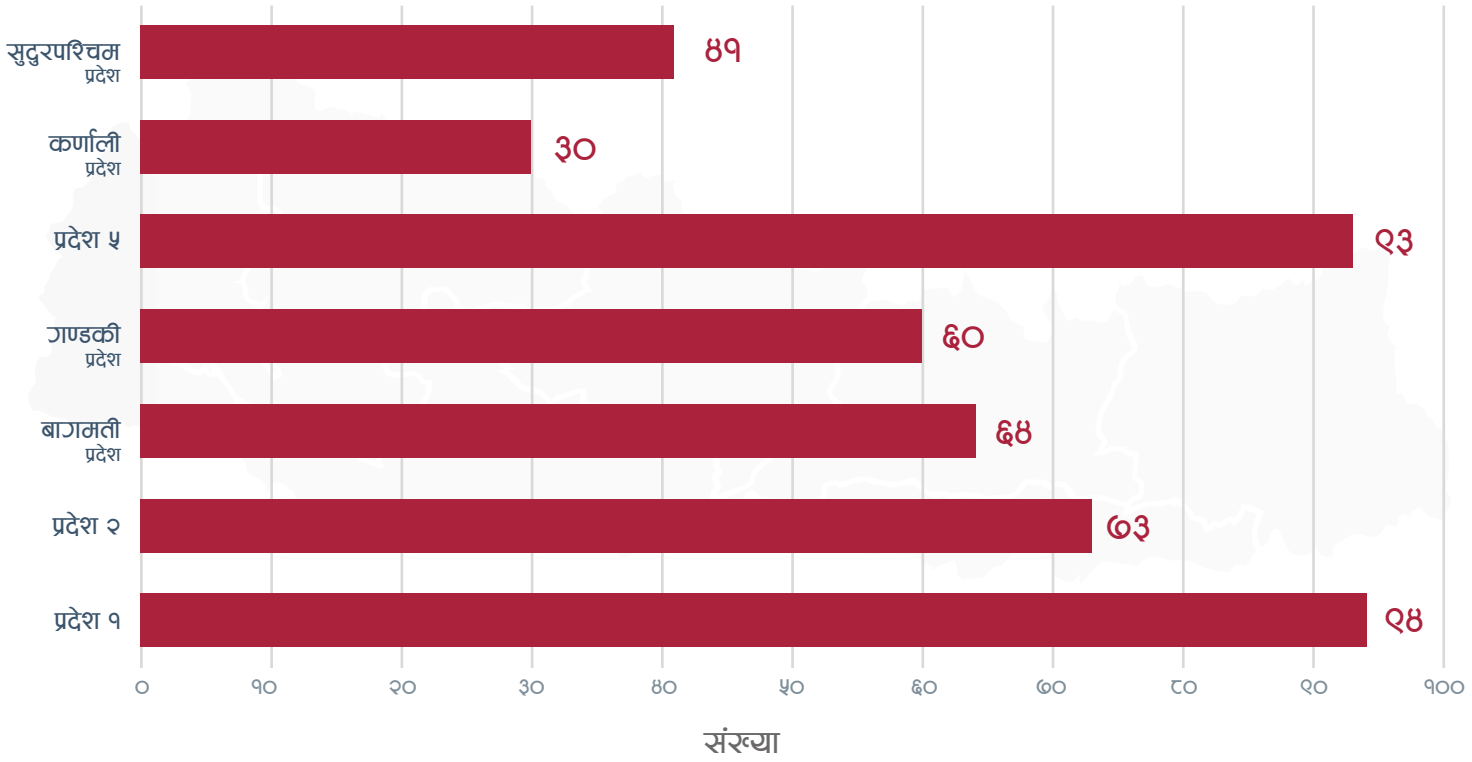

अखनके लकडाउन जेहन कठिन परिस्थितीमे मानसिक स्वास्थ्यके विषयमे विचार कएनाई महत्वपूर्ण हेईत अछि । उपरके ग्राफ लकडाउनके अवधिमे आत्महत्याके घटनासभ आरो तिब्र रुपमे घटिरहल देखावैत अछि । अनिश्चितता, डर, घरेलु हिंसा, दुर्व्यसन आदिसँ आदमीमे तनाव आ मानसिक रोग लाबैत अछि आ प्राय: आत्महत्याके घटनासभ डिप्रेसनके कारणसँ घटिरहल रहैत अछि । प्राय: सबतरहके आत्महत्याके घटनासभ रोक सकवला तरहके होईत अछि, तै सँ एहन अवस्थामे समुदायस्तरमे मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धि सहयोग बेसी जरुरी होईत अछि ।

स्रोत: http://www.pahilopost.com

एहि अंकमे समेटल गेल हल्ला, सवाल एवम् सूचनासभ, बहुतो संस्था, व्यक्ति, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेब पेज, सामाजिक सञ्जाल, आ सिभिक एक्सन टिम एहि अप्रिल महिना भितर २००० सं बेसी व्यक्तिसभसंगेके संवादसं संकलन कएलगेल छैक । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दएक हल्ला, सवाल एवम् जिज्ञासासभक चयन कएलगेल अछि । एहि अंकमे समेटल गेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल तिथितक सत्य अछि।

Coronavirus CivActs Campaign is brought to you by **Accountability Lab Nepal**.

accountabilitylab communities